राखी की रक्षा के लिए अलौकिक सौगात - 16 श्रृंगार

1. चिन्दी : चन्दन समान खुशबू फैलाने वाली चन्दन की चिन्दी।
2. तिलक : स्व-स्मृति वा पदमापदम भाग्य का मस्तक पर तिलक।
3. ताज : पवित्रता की लाईट और बेहद सेवा की जिम्मेवारी का ताज।
4. काजल : सदा रूहानियत वा भाई-भाई की स्मृति का नयनों में काजल।
5. कुण्डल : सदा तुम्हीं से सुनँ, तुम्हारा ही सुनँ, इस प्रतिज्ञा के कानों में कुण्डल।
6. नथनी : एक बाप दूसरा न कोई, इस स्मृति की नाक में नथनी।
7. चमक : सूरत में बापदादा की सीरत का साक्षात्कार कराने वाली रूहानी चमक।
8. लाली : होठों पर मधुर बोल वा मुस्कराहट की लाली।
9. माला : विजयी रतन बनने की गले में वैजयन्ती माला।
10. अंगूठी : माया की ग्रहचारी से बचने के लिए अष्ट शक्तियों की अंगूठी।
11. कंगन : पवित्रता की प्रतिज्ञा का हाथों में कंगन।
12. बाजूबंद : सदा मददगार वा सेवाधारी रहने का बाजूबंद।
13. करधनी : कमर में दृढ़ता अथवा दृढ़ संकल्प की करधनी।
14. पायल : खुशियों में सदा नाचने की निशानी - पांव में घुँघरू वा पायल।
15. बिछुए : कदम के पीछे कदम रखने वा सदा श्रीमत पर चलने के बिछुए।
16. ड्रेस : सदा दिव्य गुणों से सम्पन्न चमकीली फरिश्ता ड्रेस।

ब्राह्मण जीवन की जन्मपत्री

जन्म तारीख :- जो बाप के अवतरण की तारीख वही आपकी है।
जन्म समय :- संगम का ब्रह्मा मुहुर्त।
राशि :- बाप समान विश्वकल्याणकारी।
दशा :- सत्गुरूवार की।
कुल :- सर्वश्रेष्ठ डायरेक्ट ईश्वरीय कुल।
पोजीशन :- मास्टर सर्वशक्तिमान।
सम्पति :- अखुट और अविनाशी।
धर्म :- ब्राह्मण चोटी।
बुद्धि की लाइन :- विशाल और त्रिकालदर्शी।
कर्मरेखा :- निरन्तर कर्मयोगी, सहजयोगी, राजयोगी।

अब सोचो इससे अधिक भाग्य की रेखायें और किसी की श्रेष्ठ हो सकती हैं!